

## उपलब्धि

दक्षिण कोरिया के बुसान में दिया गया सम्मान, 2025 में भारत के मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया

# यूनेस्को सूची में शामिल होने वाला भारत का 45वां स्थल बना सारनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल यूनेस्को की सूची में शामिल होने वाली भारत की 45वीं धरोहर बन गई है।

यह वही पवित्र स्थल है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था। इस स्थल में धर्मक स्तूप, चौखंडी स्तूप, धर्मराजिका स्तूप और प्राचीन विहारों के अवशेष शामिल हैं। दरअसल, सारनाथ के प्राचीन स्थल को 1998 में विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया था और पिछले साल जनवरी में समिति के पास प्रस्ताव भेजा गया था। यूनेस्को की



सूची में 45 स्थलों के साथ भारत दुनिया भर में छठे और एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है, जहां सबसे ज्यादा विश्व धरोहर स्थल

## सारनाथ का ऐतिहासिक महत्व

वाराणसी से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सारनाथ बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। इस सूची में शामिल स्थल के दो भाग चौखंडी स्तूप और सारनाथ के पुरातात्विक अवशेष (धर्मक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, मूलगंधकुटी विहार, अशोक स्तंभ, आदि) का ऐतिहासिक महत्व है। ये दोनों हिस्से मिलकर सारनाथ के प्राचीन स्थल के वास्तुशिल्प और पुरातात्विक अवशेषों को संजोए हुए हैं। बौद्ध परंपरा में इस स्थल को अलग-अलग नामों ऋषिपत्तन, इषिपत्तन, मृगदाव के नाम से जाना जाता है। ये सभी नाम एक पवित्र स्थान की ओर इशारा करते हैं, जहां छठी शताब्दी ईसा पूर्व में बुद्ध आए और उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया था, जिसे 'धर्म के पहिये का घूमना' (धर्मचक्र प्रवर्तन) कहा जाता है।

हैं। इससे पहले, 2025 में भारत के मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। अब तक उत्तर प्रदेश के तीन

स्थल ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी आगरा को ही विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया है। सारनाथ के शामिल होने से राज्य

## सूची में बुद्ध के कई स्थल पहले से शामिल

सारनाथ को विश्व धरोहर स्थल घोषित किए जाने के बाद बौद्ध तीर्थयात्रा के चार में से तीन स्थलों लुंबिनी (नेपाल), महाबोधि मंदिर (बोधगया, बिहार) और अब सारनाथ (उत्तर प्रदेश) विश्व धरोहर में शामिल हो गए हैं। कई अन्य महत्वपूर्ण बौद्ध स्थल भी इसमें शामिल हैं।

की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तारित हो गई है और बौद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर नई प्रतिष्ठा मिली है।

## प्रधानमंत्री का संदेश

सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध है, जिनका ज्ञान, करुणा और सद्भाव का शाश्वत संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। भारत की विरासत को वैश्विक पहचान मिल रही है।

- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, यूपी